19 मई गोरखपुर। श्री गोरखनाथ मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ।

यज्ञ में आज प्रातः आवाहित देवी देवताओं का षोडशोपचार पूजन हुआ । ब्रह्म, विष्णु ,महेश, इंद्र ,सूर्य वरुण आदि षोडस स्तंभों का पूजन। ऋग्वेद द्वार, यजुर्वेद द्वार, सामवेद द्वार तथा अथर्ववेद द्वार का पूजन, वैदिक ब्राह्मण पूजन हुआ। इसके उपरांत नैऋत्य कोण पर वास्तु देवी,वायव्य कोण पर क्षेत्रपाल, ईशान कोण पर प्रधान वेदी एवम् ध्वज तथा आग्नेय कोण पर चौषठ योगिनियों का पूजन वैदिक मंत्रों के बीच हुआ तथा आरती के साथ सुबह का पूजन कार्य संपन्न हुआ।

सायंकाल में गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ने चारो द्वारों, वेदियों, का पूजन किया तथा यज्ञ में आहुति डाली गई । समस्त पूजा कार्य यज्ञाचार्य पंडित रामानुज त्रिपाठी के निर्देशन में हुआ। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा

आज सभी मूर्तियों को अन्न अधिवास किया गया।

यज्ञाचार्य पंडित रामानुज त्रिपाठी वैदिक ने सभी मूर्तियों का वैदिक मंत्रों के बीच विविध वस्तुओं से अधिवास कराया गया।

पुराण पाठ

प्रातः से 18 पुराणों का पाठ एवम् वैदिक मंत्रों का पूजन विद्वान आचार्य गण द्वारा संपन्न हुआ।

इस अवसर पर यज्ञ के आचार्य गण डॉ॰ अरविन्द चतुर्वेदी, पंडित अश्वनी त्रिपाठी, नित्यानंद तिवारी, आचार्य बृजेश मणि मिश्र, डॉ प्रांगेश मिश्र , आचार्य पुरुषोत्तम चौबे, डॉ रोहित मिश्र, पंडित प्रवीण, पंडित ओमप्रकाश त्रिपाठी, डॉ हृदय नारायण शुक्ल, पंडित राम नारायण त्रिपाठी पूजा सम्पन्न कराया।